मिर्गी की दवायें बदलते समय सावधानियाँ –

1. मिर्गी के रोगियों को जब एक नई दवा का सेवन शुरू करना पड़ता है तो पुरानी दवा को एकदम बंद नहीं करते हैं।

2. नई दवा को धीरे धीरे बड़ाया जाता है। पुरानी दवा उसी मात्रा में नियमित ली जाती है।

3. करीब एक से दो महीने तक दोंनों दवायें पूरी मात्रा में चलना चाहिये।

4. अब पुरानी दवा को धीरे धीरे दो से तीन महीने में कम करके बंद किया जाता है।

दवाओं से संबधित कोई भी शंका होने पर चिकित्सक से संपर्क करें।

डॉ अजित वर्मा न्यूरोलॉजिस्ट

न्यूरो क्लीनिक (अक्षय हास्पिटल)

ऋषि नगर, चार इमली, एकांत पार्क के सामने, भोपाल

फोन–0755–2430467, 98270 10183

PTO

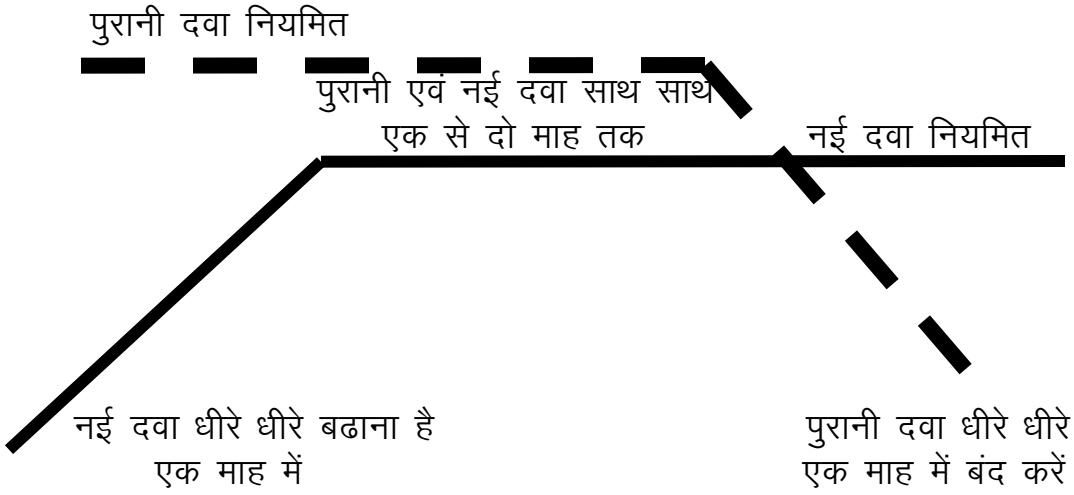
पुरानी दवा नियमित
पुरानी एवं नई दवा साथ साथ
एक से दो माह तक
नई दवा नियमित
नई दवा धीरे धीरे बढाना है
एक माह में
पुरानी दवा धीरे धीरे
एक माह में बंद करें

दौरों का विवरण –

1 **क्या आप को दौरे आने के पहले –** समझ में आता है कि दौरा आने वाला है , हाथ में झटके आना, पेट में अजीव सा लगना, ड़र लगना, अजीव सी गंध आना, , मुंह में अजीव सा स्वाद आना,

2 दौरों के दौरान –: इसके लक्षण इस प्रकार हैं – बेहोशी, हाथ–पैरों का कडा होना, दॉत कस जाना, मुॅह से झाग आना, झटके, कपडों में पेशाव, जीब कटना आदि। अन्य लक्षण – क्षणिक व्यवहार में परिवर्तन (Transient Change in Behaviour)

3 दौरों के बाद –: दौरे के बाद रोगी (आधे से एक घंटे तक) बेहोश रह सकता है। अपने घर वालों या संबंधी को पहचान नहीं पाता है। उसके व्यवहार में भी परिवर्तन आ सकता है। उसको सिरदर्द, शरीर दर्द, उल्टियॉ तथा कमजोरी, नींद ज्यादा आना या नींद न आना आदि हो सकते हैं जो कुछ दिनों भी रह सकता है।